शनिवार
02 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 4
सर्दी में रोजाना एक संतरा खाने से शरीर को मिलते हैं ये गजब के फायदे

पृष्ठ 5
दिसंबर के पहले सप्ताह आएगा ऋतिक रोशन की फाइटर का टीजर

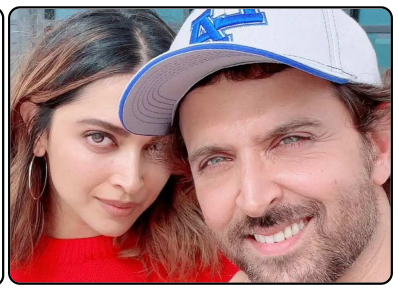

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 290
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

विवेक जीवन का नमक है और कल्पना उसकी मिठास। एक जीवन को सुरक्षित रखता है और दूसरा उसे मधुर बनाता है।

– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

विधायक ने उठाया परिवहन विभाग के अधिकारी पर हाथ, वीडियो वायरल

हमारे संवाददाता

पौड़ी। उत्तराखंड में विधायकों के सिर पर सत्ता का नशा इस कदर चढ़ चुका है कि वह अब सरकारी कर्मचारियों पर भी हाथ उठाने से नहीं चूक रहे हैं। ऐसा ही एक मामला पौड़ी जनपद के कोटद्वार से सामने आया है, जहां लैंसडॉन से भाजपा विधायक महंत दिलीप सिंह रावत ने अपने कार्यकर्ता के चालान किये जाने से नाराज होकर परिवहन विभाग में कार्यरत हरीश चंद्र सती पर हाथ तक उठा दिया। जिसका वीडियों सोशल मीडिया में जारी होने से राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मचा हुआ है।

मामला बीते रोज (शुक्रवार) का बताया जा रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि भाजपा विधायक किस कदर गुस्से में थे। वह सीधे ही चालान काटने वाले अधिकारी पर हाथ उठाने चले आए। हालांकि इस दौरान आसपास खड़े लोगों को देख विधायक ने अपना हाथ रोक लिया, लेकिन वायरल वीडियों में साफ दिख रहा है कि इस कर्मचारी

को विधायक ने काफी भला बुरा कहा है। बताया जा रहा है कि मामला सिर्फ इतना था कि विधायक की पार्टी के कार्यकर्ता का इस अधिकारी ने नियमानुसार चालान कर दिया था। चालान होने से विधायक इस कदर नाराज हुए कि अधिकारी को मारने के लिए मौके पर ही पहुंच गए। इस दौरान अधिकारी ने कहना भी चाहा कि जो कुछ किया नियम अनुसार ही किया है। लेकिन विधायक शायद कुछ सुनने को तैयार नहीं थे। इस मामले में परिवहन विभाग के अधिकारी हरिश चंद्र सती सामने नहीं आए हैं और वह कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है, लेकिन अब वीडियो वायरल होने से विधायक और उनके समर्थक खासे परेशान हैं। वहीं भाजपा नेताओं की दबंगई को एक और मामला राजधानी दून के पटेलनगर में भी देर शाम आया है। यहां भी अपने जानकार का चालान काटने से गुस्साये भाजपा नेता मौके पर पहुंचे और हंगामा खड़ा कर दिया गया। जिसके बाद पुलिस कर्मियो ने किसी तरह मामले को शांत कराया।

कफनौल रिजार्ट में युवती की मौत का मामला

ग्रामीणों का अस्पताल में हंगामा

❑पोस्टमार्टम रिपोर्ट न देने पर गुस्सा
❑सीओ व सीएमएस का घेराव

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। संगमचट्टी के पास कफनौल गांव के रिजार्ट में युवती की मौत के मामले को लेकर क्षेत्र वासियों में भारी आक्रोश है। बीते कल से सैकड़ो की संख्या में ग्रामीणों ने अस्पताल में डेरा डाला हुआ है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट को सार्वजनिक न करने से ग्रामीणों में गुस्सा है। उन्होंने आज जिला अस्पताल में सीओ और सीएमएस का घेराव कर उनके खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन और नारेबाजी की। ग्रामीणों का आरोप है कि वह मामले को दबाने का प्रयास कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि कफनौल रिजार्ट में काम करने वाली 19 वर्षीय युवती अमृता का संदिग्ध हालत में शव फंदे पर लटका मिला था। ग्रामीणों का कहना है कि उसका शव हत्या के बाद लटकाया गया है। पुलिस ने कल किसी तरह ग्रामीणों को समझा कर शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। इसके बाद रात 8 बजे शव का पोस्टमार्टम किया गया लेकिन पोस्टमार्टम की रिपोर्ट दोपहर तक भी परिजनों को नहीं सौंपी गई। अस्पताल के डॉक्टरों व पुलिस द्वारा भी परिजनों और क्षेत्र वासियों को कुछ नहीं बताया जा रहा है उनका कहना है कि जब पोस्टमार्टम रात को हो चुका तो फिर उसकी रिपोर्ट क्यों नहीं दी जा रही है। पुलिस और अस्पताल पर तथ्यों को छुपाने का आरोप लगाते हुए उन्होने यह साफ कर दिया गया है कि जब तक उन्हें पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं दी जाएगी और यह नहीं बताया जाएगा कि अमृता की मौत का क्या कारण है तथा जब तक उसके आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं की जाएगी तब तक वह न अमृता का शव लेकर जाएंगे और न ही उसका अंतिम संस्कार करेंगे।

ग्रामीणों का आरोप है कि अमृता की भी अंकिता की तरह हत्या की गई है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्यवाही और उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। पुलिस द्वारा हालांकि कल दो लोगों को हिरासत में लिया गया

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

आदित्य-एल1 उपग्रह में लगे सोलर विंड पार्टिकल पेलोड ने काम करना शुरु किया

नई दिल्ली। भारत के आदित्य-एल1 उपग्रह में लगे पेलोड आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट ने काम करना शुरू कर दिया है और यह सामान्य रूप से काम कर रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को यह जानकारी दी। इसरो ने दो सितंबर को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से

आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया था। इसरो के अनुसार, श्आदित्य-एल1श सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला है। यह पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर स्थित लैग्रेंजियन बिंदु श्एल1श के आसपास एक प्रभामंडल से सूर्य का अध्ययन कर रही है। इसरो ने एक बयान में कहा कि आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट (एएसपीईएक्स) में दो अत्याधुनिक उपकरण सोलर विंड आयन स्पेक्ट्रोमीटर (एसडब्ल्यूआईएस) और सुप्राथर्मल एंड एनर्जेटिक पार्टिकल स्पेक्ट्रोमीटर (एसटीईपीएस) शामिल हैं। एसटीईपीएस उपकरण 10 सितंबर, 2023 को शुरू किया गया।

चुनाव परिणाम से पूर्व दंतेवाड़ा में नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट, सीआरपीएफ के 2 जवान हुए घायल

दंतेवाड़ा । छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव परिणाम से पहले नक्सलियों ने अपनी धमक दर्ज कराई है। राज्य के माओवादी प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए लगये आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से दो जवान घायल हो गए हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक नक्सली पीएलजीए सप्ताह बना रहे हैं। अपने इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने जगह-जगह बैनर पोस्टर लगाए हैं। यह मामला बारसूर थाना क्षेत्र का है,जहां बारसूर पल्ली मार्ग के सातधार 195 बटालियन के जवान अपनी सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सलियों के बैनर-पोस्टर हटा रहे थे, इसी दौरान अचानक आईईडी विस्फोट हुआ, इसकी जद में आने से दो जवान घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। आईईडी ब्लास्ट में घायल हुए सीआरपीएफ के दो जवान के साथ एक पत्रकार रिकेश्वर राना भी उपस्थित थे, जो सुरक्षित हैं।

छत्तीसगढ़ के बस्तर समेत तमाम माओवादी प्रभावित इलाकों में दो दिसंबर से आठ दिसंबर तक नक्सली पीएलजीए सप्ताह की 23वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। नक्सली हर साल 2 से 8 दिसंबर तक यह सप्ताह मनाते हैं। ज्ञात हो कि पीएलजीए काम मतलब पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी है। नक्सलियों ने साल 2000 में गुरिल्ला युद्ध के लिए पीएलजीए की स्थापना की थी। इसी मौके को याद करके नक्सली हर साल पीएलजीए की स्थापना दिवस मनाते हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

रिजार्ट या अपराध के अड्डे

बीते कल उत्तरकाशी के काफलो गांव के एक रिजार्ट में 19 वर्षीय युवती अमृता का शव मिलने का जो मामला सामने आया है उसने एक बार फिर वनंत्रा रिजार्ट में हुए अंकिता मर्डर केस की यादों को ताजा कर दिया है। अंकिता भंडारी की तरह अमृता भी रिजार्ट में काम करती थी और पास के ही गांव की रहने वाली थी। इस रिजार्ट के मालिक ने स्वयं फोन कर उसके फांसी लगाने की सूचना पुलिस को दी गयी। मौके पर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा उस समय फूट पड़ा जब उन्होंने अमृता को कमरे में फांसी के फंदे पर लटके देखा। परिजनों का कहना है कि उसके पैर फर्श पर टिके हुए थे उसने खुद आत्महत्या नहीं की है बल्कि उसकी हत्या की गई है। अमृता ने भले ही खुद आत्महत्या की हो या फिर उसकी हत्या की गई हो लेकिन आत्महत्या या हत्या करने के पीछे कोई न कोई ठोस वजह होना भी लाजमी है। पुलिस अब इसकी जांच में जुटी हुई है। इस जांच में क्या कुछ सामने आता है यह अलग बात है लेकिन देवभूमि में बेटियों के साथ कार्य स्थलों पर क्या कुछ हो रहा है? और वह कितनी सुरक्षित है? प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन के साथ उन तमाम लोगों के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण है जिनकी बेटियां घर से बाहर जाकर कहीं भी नौकरी कर रही हैं। उत्तराखंड राज्य गठन के बाद शासन स्तर पर जिस तरह रिजार्ट होमस्टे और होटल तथा रेस्टोरेंटों को पर्यटन के मद्देनजर बढ़ावा दिया जा रहा है वह ठीक है लेकिन खास तौर पर इन रिजार्ट और होमस्टे में हो क्या रहा है इस पर भी नजर रखे जाने की जरूरत है। बीते कल ही रामनगर स्थित एक रिजार्ट में पुलिस द्वारा छापेमारी कर भारी मात्रा में शराब बरामद की गई। पुलिस का कहना है कि यहां अवैध तरीके से लोगों को शराब पिलाये जाने की शिकायतें मिल रही थी। अंकिता मर्डर केस में गवाहों के बयानों से यह बात सामने आ चुकी है कि रिजार्ट का मालिक और मैनेजर अंकिता का शारीरिक शोषण करते थे और घटना वाले दिन किसी वीआईपी गेस्ट को स्पेशल सर्विस देने का दबाव उस पर बनाया जा रहा था। उससे भी खास बात यह है कि अंकिता भंडारी के परिजन और विपक्ष तथा वह तमाम सामाजिक संगठन जो अब तक इस घटना को लेकर आंदोलित है अंकिता को न्याय नहीं दिला सके हैं। मध्य सितंबर 2020 की इस घटना को लेकर अंकिता के गरीब मां-बाप दर-दर की ठोकरे खा रहे हैं लेकिन इंसाफ की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है क्योंकि आरोपी पक्ष रसूखदार और सत्ताधारी दल से संबंध रखते हैं। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि पहाड़ के गरीब परिवारों की जो लड़कियां काम की तलाश में ऐसे रिजार्ट में नौकरी करने के लिए मजबूरीवश ही पहुंचती है जिसे पूंजीपति रिजार्ट के मालिक अच्छी तरह से जानते हैं उन्हें पता होता है कि उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। यही कारण है कि आए दिन रिजार्ट में काम करने वाली बेटियों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। अमृता के बारे में यह बात सामने आई है कि परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण ही वह इस रिजार्ट में काम कर रही थी। अगर उसने आत्महत्या की तो भी यह सामने आना चाहिए कि उसके सामने वह ऐसे क्या हालात थे जिसके कारण उसे अपनी जान देने पर आमादा होना पड़ा और अगर किसी ने उसकी हत्या करने के बाद उसे फांसी के फंदे पर लटका कर इसे आत्महत्या साबित करने का प्रयास किया है तो वह अपराधी कौन है और उसने किस कारण से यह अपराध किया है, इसका पूरा सच सामने आना चाहिए। शासन-प्रशासन को ऐसे किसी भी मामले को अत्यंत ही संजीदगी से लेना चाहिए अन्यथा इस तरह के मामले बढ़ते ही जाएंगे। यह सिर्फ कानून व्यवस्था पर ही सवाल नहीं है बल्कि पहाड़ की बेटियों की इज्जत से जुड़ा हुआ सवाल है ऐसी वारदातों पर तत्काल लगाम लगाने की जरूरत है जिससे देवभूमि की बेटियों व संस्कृति को सुरक्षित रखा जा सके।

चरस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने लालतप्पड के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 625 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम हिम्मत सिंह पुत्र गंगा सिंह निवासी गोपेश्वर चमोली बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

संवृक्तधृष्णुमुक्थ्यं महामहिव्रतं मदम।
शतं पुरो रुरुक्षणिम्।।
(ऋग्वेद ९-४८-२)

हे प्रभु ! हम आपकी उपासना करते हैं। आप हमारे शत्रु: काम, क्रोध, लोभ, मोह, आदि का नाश करते हो। आप अज्ञानता के अंधकार के सैकड़ो किलों को तोड़ देते हैं।

हजारा अरोड़ा वंश बिरादरी का 19वां वैवाहिक परिचय सम्मेलन 17 को

संवाददाता

देहरादून। हजारा अरोड वंश बिरादरी वेलफेयर सोसायटी के प्रधान भूषण डंग ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बिरादरी 19वां वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन 17 दिसम्बर को मनभावन पैलेस में किया जायेगा।

आज यहां परेड ग्राउण्ड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए भूषण डंग ने बताया कि बिरादरी कई वर्षो से वैवाहिक परिचय सम्मेलन कराती आ रही है। इस वर्ष भी संस्था द्वारा आयोजित किया जाने वाला 19वां वैवाहिक परिचय सम्मेलन 17 दिसम्बर को मनभावन पैलेस गुरू रोड में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में भाग लेने हेतु व्यस्क प्रत्याशी को अपने अभिभावक के साथ आना आवश्यक है। फार्म का मूल्य 600 रूपया रखा गया है तथा फार्म सीमित संख्या में हैं। एक फार्म पर तीन व्यक्तियों हेतु भोजन की व्यवस्था भी संस्था द्वारा की गयी है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में बाहर के भी प्रत्याशियों के आने की सम्भावना है। जैसे हरिद्वार, विकासनगर, ऋषिकेश, रूडकी, दिल्ली, उत्तरकाशी, हल्द्वानी, श्रीनगर आदि फार्म वितरण हेतु 21 स्थानों का चयन किया गया है जहां से फार्म प्राप्त किये जा सकते हैं। गत वैवाहिक परिचय सम्मेलन में 356 प्रत्याशियों ने भाग लिया था जिसमें से कई युवक-युवतियों के विवाह बन्धन में बंधने की जानकारी प्राप्त हुई। इस वर्ष सम्मेलन में भी लगभग 350 से अधिक प्रत्याशियों के भाग लेने की सम्भावना है। प्रेसवार्ता में उपप्रधान वीना मुगलानी, सचिव श्याम सुन्दर, सविन्दर पाल छाबडा, अमरीक सिंह, बाबू राम सहगल, सुरेन्द्र अरोडा जतिन सडाना आदि उपस्थित रहे।

चार दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने चार दुपहिया वाहन चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बार्लोगंज निवासी सुरेश गोयल ने मसूरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। वहीं खुडबुडा मौहल्ला निवासी हन्नी कुमार ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह इन्दिरा मार्केट में स्थित जिम में गया था तथा उसने अपनी स्कूटी जिम के बाहर खडी की थी जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। इसके साथ ही पंचशील पार्क बसंत विहार निवासी विक्रम सिंह ने दून अस्पताल पार्किंग से अपनी मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा कोतवाली में दर्ज कराया। चन्द्रबनी निवासी पिंटू मलिक ने पटेलनगर कोतवाली में उसकी दुकान ट्रांसपोर्ट नगर से अपनी बुलेट मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने सभी मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पूर्व आईपीएस जोशी ने दिव्यांग छात्रावास को दिये डेढ लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। पूर्व आईपीएस जगत राम जोशी ने आर्थिक संकट से जूझ रहे दिव्यांग छात्रावास को एक लाख 62 हजार रूपये की सहायता की।

आज यहां विजय पब्लिक स्कूल समिति (दृष्टि दिव्यांग छात्रावास) तुनाल्का नौगांव अध्यक्ष ने सेवानिवृत्त डीआईजी जगत राम जोशी को धन्यवाद पत्र लिखते हुए बताया कि परमार्थ विजय पब्लिक स्कूल को एक लाख 62 हजार रूपये की सहयोग धनराशि ऐसी विकृत परिस्थितियों में विद्यालय को प्राप्त हुई जिस समय विद्यालय आर्थिक संकट से जूझ रहा था व विद्यालय में कार्यरत अध्यापकों एवं कर्मचारियों को मानदेय हेतु आर्थिक संसाधन नहीं थे। तभी उनका शुभ आगमन विद्यालय में देवदून बनकर आये और विद्यालय को आर्थिक सहयोग प्रदान किया तथा आवासीय दिव्यांग बच्चों को गरम कपडे वितरित किये। उनका सहयोग अमूल्य है।

डीआईटी विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह भव्य तरीके से आयोजित हुआ

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। डीआईटी विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह बहुत भव्य तरीके से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के चांसलर प्रोफेसर एन रविशंकर, आईएएस ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर डीआईटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जी रघुरामा ने वार्षिक रिपोर्ट के माध्यम से शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान डीआईटी विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को विस्तार से प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर प्रमुख शिक्षाविद् और प्रसिद्ध उद्यमी प्रोफेसर पराग शाह मुख्य अतिथि थे। श्री पराग शाह फ्लेम (फाउंडेशन फॉर लिबरल एंड मैनेजमेंट एजुकेशन) संस्थान के पूर्व संस्थापक और अध्यक्ष है। प्रोफेसर पराग शाह ने अपने दीक्षांत भाषण में स्नातकों को 21वीं सहस्राब्दी की चुनौतियों के सभी पहलुओं और एक छात्र के रूप में प्रौद्योगिकी और कैंपस अनुभव के अनुप्रयोग को शामिल किया। 1250 से अधिक स्नातक शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए क्रेडेंशियल से सम्मानित होने के पात्र थे, जिसमें 27 पीएचडी डिग्री, 35 पदक शामिल हैं। दीक्षांत समारोह के मुख्य आकर्षण में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 1999-2003 बैच के कर्नल अंकुर गर्ग को विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार प्रदान करना शामिल है। उन्होंने अनुकरणीय तरीके से भारतीय सेना की सेवा करके अपने मातृ संस्थान को गौरवान्वित किया और कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह का नेतृत्व करने वाले रजिस्ट्रार प्रोफेसर डॉ. जे. अर्नेस्ट सैमुअल रत्नाकुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

घर के अंदर जमी धूल-मिट्टी आपको बना रही है मोटा

अगर हर दिन जिम जाने, एक्ससाइज करने और सही डायट लेने के बाद भी आपका वजन कम नहीं हो रहा तो हो सकता है इसकी वजह आपके घर की धूल-मिट्टी हो। आपको शायद इस बात पर यकीन नहीं होगा लेकिन घर के अंदर अगर थोड़ी सी भी धूल हो तो उसमें वातावरण के प्रदूषण फैलाने वाले तत्व मौजूद होते हैं जो फैट सेल्स की ग्रोथ में अहम रोल निभाते हैं। अमेरिकन केमिकल सोसायटी के शोधकर्ताओं ने पाया कि घर की धूल में जो कंपाउड्स पाए जाते हैं उन्हें इंडोक्राइन-डिसरप्टिंग केमिकल यानी ईडीसी कहते हैं वे फैट सेल्स को प्रोत्साहन देते हैं जिससे शरीर में और ज्यादा फैट जमा होने लगता है। इस स्टडी में पाया गया कि घर की धूल की वजह से एक अतिरिक्त तरह का फैट शरीर में जमा होने लगा जिसे ट्राईग्लिसराइड्स कहते हैं। ईडीसी सिन्थेटिक या नैचरल कंपाउन्ड्स होते हैं जो बॉडी के हार्मोन्स को दोहराने लगते हैं। जानवरों पर की गई कुछ स्टडीज में इस बात के सबूत भी मिले की हैं जीवन के शुरुआती दिनों में अगर ईडीसी के प्रति एक्सपोजर ज्यादा हो तो जीवन के बाद के सालों में वजन बढ़ने की समस्या पैदा हो जाती है। ईडीसी आमतौर पर कंज्यूमर गूड्स में पाए जाते हैं जो आखिरकार इंडोर डस्ट बनकर हमारे घर के अंदर रह जाते हैं। बाद में घर की इस धूल को हम सांस के द्वारा अंदर लेते हैं और फिर वह हमारी स्किन में अब्जॉर्ब हो जाती है। यूएस इन्वाइरनमेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी के मुताबिक अमेरिका में हर दिन करीब 5०एमजी घर की धूल बच्चों के शरीर के अंदर जाती है। शोधकर्ताओं ने नॉर्थ कैरलाइना के 11 घरों से इंडोर डस्ट के सैंपल इक्ट्ठा किए। 11 में से 7 घरों से इक्ट्ठा की गई घर की धूल के सैंपल में फैट सेल्स को विकसित कर ट्राईग्लिसराइड्स बनाने की क्षमता थी। इनमें से सिर्फ1 डस्ट सैंपल ऐसा था जिसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

पुरुषों और महिलाओं में अलग-अलग पड़ता है डिप्रेशन का प्रभाव

हाल ही में शोधकर्ताओं द्वारा किये गये प्रयोगों से निकले निष्कर्ष के अनुसार पुरुष और महिला मरीजों की मस्तिष्क गतिविधियों में डिप्रेशन के अलग-अलग प्रभाव पड़ते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि किशोर लड़कियों और लड़कों में डिप्रेशन का अनुभव अलग होता है और ये सेक्स-स्पेसिफिक ट्रीटमेंट्स किशोरों के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। जब शोधकर्ताओं ने अवसादग्रस्त किशोरों को खुश या दुखी करने वाले शब्दों को कहा और उनके दिमाग को चित्रित किया तो उन्होंने पाया कि डिप्रेशन में मस्तिष्क के कुछ हिस्सों में पुरुष और महिला मरीजों के मस्तिष्क की गतिविधियों पर अलग प्रभाव पड़ता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक 15 साल की उम्र तक, लड़कियों में लड़कों की अपेक्षा डिप्रेशन दोगुना होने की संभावना रहती है। इसके कई संभावित कारण होते हैं जिसमें अपने बॉडी इमेज, हॉर्मोनल फ्लक्चुऐशन और जेनेटिक फैक्टर्स शामिल है जहां लड़कियों को डिप्रेशन का जोखिम अधिक होता है।

भूख को कभी न करें नजरअंदाज, वरना हो सकती है थायरॉयड की समस्या

आजकल पैसे कमाने के लालच में लोग सेहत का ख्याल नहीं रख पाते है। अक्सर लोग सुबह जब ऑफिस के लिए तैयार होते हैं, तो वह भूख लगे होने पर भी जल्दी-जल्दी में नाश्ते को इंग्नोर कर देते हैंऐसे में जब उन्हें भूख लगती है तो उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते है। जिसकी वजह से उन्हें कई सारी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। आप भी कुछ ऐसा ही करते हैं तो इस बात को समझ लें कि शाम की भूख को नजरअंदाज करने से आप अपनी सेहत को नजरअंदाज कर रहे हैं। इससे आपको कई सारी बिमारियों का सामना करना पद सकता है। चलिए आज हम आपको बताएंगे सेहत सम्बंधी बीमारियों के बारे में। मोटे होने की सोच में इस समय लगने वाली भूख को नजरअंदाज न करें। इस समय हल्का-फुल्का स्नैक्स खा सकते हैं। जिससे भूख भी शांत हो जाएगी और डिनर के लिए पेट में जगह भी बच जाएगी। शाम को भूख लगने की वजह है शरीर में कॉर्टिसॉल हॉर्मोन का कम होना। यह हॉर्मोन सुबह के समय तो बढ़ जाता है लेकिन शाम होते-होते इसका लेवल डाउन होनी शुरू हो जाता है। जिसके बाद भूख का एहसास होने लगता है। इससे बचने क लिए हमें पेट भरकर खा लेना चाहिए। शाम को 4-6 के बीच लगने वाली भूख को नजरअंदाज करने का कारण शारीरिक पाचन क्रिया धीमी होनी शुरू हो जाती है। जिससे पीसीओडी और थायरॉयड जैसी समस्याओं के साथ इंसुलिन इंसेंसिटिविटी भी हो जाती है। इसीलिए शाम को भूख लगने पर कुछ न कुछ जरूर खाएं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

जाडों में अगर चाहिए शानदार त्वचा तो खायें ये पांच फूड्स!

सर्दियों के मौसम में आपकी त्वचा को कितनी तकलीफे झेलनी पड़ती हैं इनसे बचने के लिए आप तमाम उपाय करते हैं, लेकिन हम यहां आपको ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बता रहे हैं जिससे आपकी त्वचा चमक उठेगी।

गाजर

विटामिन सी के साथ भरा हुआ है, गाजर आपकी त्वचा जीवंत को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं। गाजर में विटामिन ए जोकि एक एंटीऑक्सीडेंट जो झुर्रियों और असमान त्वचा टोन को रोक सकता है।

संतरा

संतरा विटामिन सी से भरा हुआ है जो आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखने में सहायक है साथ ही आपके शरीर को डिटॉक्सिफिकेशन करने में मदद भी करता है।

एवोकाडो

एवोकाडो को त्वचा के लिए बेहद खास माना जाता है गौरतलब है कि एवोकाडो में खासी तादात में विटामिन ई पाया जाता है और विटामिन ई अच्छी त्वचा के लिए बहुत बेहतर माना जाता है।

वसायुक्त मछली

वसायुक्त मछली जैसे कि सामन, ट्यूना, सार्डिन ओमेगा-3 फैटी एसिड से युक्त है जो कि आपके शरीर से सूजन आदि को कम करने में सहायक है जिससे सूखी त्वचा से होने वाली खुजली और रेडनेस कम होती है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी स्वास्थ्य के लिए तो अच्छी है ही लेकिन आपको पता है कि ग्रीन टी त्वचा के लिए भी काफी अच्छी मानी जाती है। ग्रीन टी का एंटी एजिंग और एंटीऑक्सीडेंट गुण त्वचा को जवां रखने में सहायक है। साथ ही ग्रीन टी से आप सर्दियों में सर्दी और जुकाम से भी बचे रहते हैं।

गले की खिच-खिच से परेशान, अपनाएं ये समाधान

क्या आप भी गले की खिच-खिच से परेशान हैं? गले की खराश इस मौसम की कॉमन प्रॉब्लम है। ठंडी चीज के सेवन या फिर ठंडी हवा के संपर्क में आ जाने से गला खराब हो जाता है। इसके अलावा किसी चीज से ऐलर्जी हो तो भी गले में खराश हो जाती है।

सर्दी का मौसम पूरे जोरों पर है। ठंड बढ़ने के साथ तमाम लोग कोल्ड, फ्लू और थ्रोट इंफेक्शन की चपेट में आ गए हैं। इस मौसम में गले का इन्फेक्शन बेहद कॉमन प्रॉब्लम है। जरा सा कुछ उलटा-सीधा खाया नहीं कि सीधे गला इंफेक्शन की चपेट में आ जाता है। कई बार तो गले का इंफेक्शन इतना अधिक होता है कि आप चाहकर भी कुछ नहीं बोल पाते और खाने की बात तो दूर पानी पीने में भी गला दर्द करता है। हद तो तब हो जाती है, जब थ्रोट इन्फेक्शन की वजह से पूरे दिन गले में दर्द रहता है। आप चाहें तो इन घरेलू उपायों को आजमाकर गले की खराश से राहत पा सकते हैं।

ज्यादातर मामलों में गले का इन्फेक्शन ठंड लगने से ही होता है। ऐसे में, अगर आप स्टीम लेते हैं, तो इससे आपको ब्लॉक हो चुके नेसल पैसेजेज को खोलने में मदद मिलेगी और सांस लेने में आसानी होगी। स्टीम लेना न सिर्फ कोल्ड बल्कि गले में इन्फेक्शन के मामले में भी मददगार है। ज्यादा बेहतर परिणाम के लिए स्टीम लेने के दौरान पानी में थोड़ा यूकलेप्टिस का तेल मिला लें।

गले के इन्फेक्शन की शिकायत पर सबसे पहले हर कोई आपको नमक वाले गर्म पानी से गरारे करने की सलाह ही देगा। यह बेस्ट और आसान तरीका है। दरअसल, नमक मिला गर्म पानी आपके गले में इन्फेक्शन की वजह से आ गई सूजन को कम करता है और आराम पहुंचाता है। बेहतर होगा कि जल्दी राहत के लिए आप हर तीन घंटे में गरारे करें।

गले में इन्फेक्शन के दौरान आपके लिए कुछ भी खाना-पीना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में, बेहतर होगा कि आप अगर कुछ खा-पी नहीं पा रहे हैं, तो कम से कम कुछ गोलियां ही चूसते रहें। इससे आपके मुंह में स्लाइवा का प्रॉडक्शन जारी रहेगा, जिससे आपको आराम मिलेगा। आप चाहें, तो इस तरह की गोलियां चूस सकते हैं, जिनमें जिंजर फ्लेवर हो। इससे आपके गले को और ज्यादा आराम मिलेगा।

गले के इंफेक्शन में कुछ भी लिच्चिड लेने से भी आपके गले में दर्द होगा लेकिन बेहतर होगा कि अगर आप थोड़े गैप में कुछ गर्म लिच्चिड लेते रहें। कुछ भी नहीं तो आप थोड़ी-थोड़ी देर में गर्म पानी पीते रहें। इससे आपके गले की सिकाई होगी और आपको आराम मिलेगा।

इन बातों का ध्यान रखें कामकाजी महिलाएं

आजकल आम तौर पर कामकाजी महिलाओं को घर आते-आते रात हो जाती है। कुछ नौकरियां भी देर तक काम करने वाली हैं जैसे समाचार माध्यमों में या दुकानों में सेल्सगर्ल आदि की। आधुनिक जीवन शैली में रात की पार्टियों में भी आना-जाना पढ सकता है। महिलाओं के साथ छीना-झपटी, अपहरण, छेडखानी आदि की घटनाएं प्रायरू रात में ही घटती हैं। ऐसे में रात में सुरक्षा को देखते हुए कुछ बातें ध्यान में रखकर आप ऐसी घटनाओं से बच सकेंगी।

आभूषण पहनकर रात को न चलें। लुटेरों की नजर आभूषणों पर रहती है। किसी पार्टी आदि से लौट रही हों तो आभूषण उतारकर बैग में रख लें।

पैदल व्यस्त मार्ग से ही जाएं। महिलाओं के साथ दुर्घटनाएं प्रायरूसुनसान मार्गों पर ही घटती हैं। दूसरे सुनसान मार्गों पर जल्दी मदद भी नहीं मिलती। हमेशा सीधे सामने देखते हुए चलें।

बस मिलने की संभावना हो तो बस की प्रतीक्षा करें। आटो, कार आदि में सफर न करें।

यदि कार-आटो में सफर करना मजबूरी हो तो किसी अन्य को भेजकर सवारी वहीं मंगाएं जहां से प्रस्थान करना हो।

जिस सवारी में भी सफर करना हो, उसमें चढने से पूर्व उसका नम्बर पढ लें और चढकर उसका नम्बर नोट कर बैग में डाल लें। यह नंबर दिमाग में भी रहना चाहिए।

मोबाइल फोन हो तो गाडी में चढने के बाद घर पर फोन पर बता दें कि किस गाडी में सफर कर रही हैं और क्या नंबर है।

यदि आप किराए की सवारी में अकेले ही सफर कर रही हैं तो ड्राइवर को परिचित मार्ग से ही ले जाने का आदेश दें।

अगर आपको लगता है कि कोई आपका पीछा कर रहा है तो किसी घर पर दस्तक दें और सहायता की मांग करें।

महानगरों में जगह-जगह पुलिस सहायता केंद्र होते हैं। दुर्घटना की आशंका होने पर पुलिस से अपने मोबाइल के जरिये सीधे संपर्क किया जा सकता है। तकनीक की जानकारी होने से आप सुरक्षित रहेंगी।

चुनाव मतलब लोगों को मूर्ख बनाना!

हरिशंकर व्यास

भारत में अब सारे चुनाव आम लोगों को मूर्ख बनाने, उनको बरगलाने, निजी लाभ का लालच देने, उनकी आंखों पर पट्टी बांधने या उनकी आंखों में धूल झोंकने का उपक्रम और मौका है। पार्टियों के घोषणापत्र में भले कुछ भारी-भरकम बातें लिखी जाती हों लेकिन प्रचार में सिर्फ लोक लुभावन घोषणाएं होती हैं, जिन्हें गारंटी का नाम दिया जा रहा है। कहीं मोदी की गारंटी है तो कहीं कांग्रेस और राहुल की गारंटी है। उस गारंटी में यह है कि सरकार बनी तो हर वयस्क महिला को एक हजार से लेकर ढाई हजार रुपए तक महीना दिया जाएगा, स्कूल जाने वाले बच्चों को पांच सौ से लेकर तीन हजार रुपए तक दिए जाएंगे, महिलाओं को मुफ्त में बस यात्रा की सुविधा दी जाएगी, हर व्यक्ति को मुफ्त में पांच किलो अनाज मिलेगा, कहीं मुफ्त में घर देने की गारंटी है तो कहीं मुफ्त में शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा देने की गारंटी है, कहीं स्कूटी, लैपटॉप और स्मार्ट फोन मुफ्त देने की बात है तो कहीं रसोई गैस सिलेंडर सस्ता करने का वादा है तो कहीं बिजली, पानी मुफ्त में देने की बात है। कहीं जाति गणना करा कर आरक्षण की सीमा बढ़ाने का वादा है तो कहीं अयोध्या में राममंदिर का मुफ्त दर्शन कराने की गारंटी है। कोई रैयतू बंधु है तो किसानों को सम्मान निधि दे रहा है। कोई पिछड़ा राज लाने की बात कर रहा है तो कोई हिंदू राष्ट्र बनाने का ऐलान कर रहा है। अब सवाल है कि कोई इस बात की गारंटी क्यों नहीं दे रहा है कि वह लोगों को इतना सक्षम बनाएगा कि वह खुद अयोध्या जाकर राममंदिर के दर्शन करे या पैसे देकर बस में सफर कर सके या अनाज खरीद कर अपना पेट भर सके? हां, कोई भी पार्टी नागरिकों को सक्षम बनाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने, धनवान और बुद्धिमान बनाने की गारंटी नहीं दे रही है। पार्टियां बिना किसी प्लान के ऐलान कर रही हैं कि सरकार बनी तो इतने लाख लोगों को नौकरी देंगे। लेकिन साथ में यह बताना जरूरी नहीं समझती हैं कि वह नौकरी कहां होगी? क्या सरकारी नौकरियों में बढ़ोतरी की जा रही है या उद्योग-धंधे स्थापित किए जाएंगे, जिनमें नौकरियां मिलेंगी? दूरगामी विकास की कोई योजना किसी पार्टी के प्रचार में सुनाई नहीं देती है। देश की ढांचागत गड़बडि?ों को दूर करने के बारे में बात नहीं होती है। किसानों को सम्मान निधि दी जाएगी लेकिन कृषि की लागत कम हो, उनका मुनाफा बढ़े और उन्हें सिंचाई के लिए मॉनसून पर न निर्भर रहना पड़े इसकी घोषणा नहीं होती है। महिलाओं को आरक्षण देने का कानून बना देंगे और उनके लिए मुफ्त बस पास भी बनवा देंगे लेकिन राजनीति में उन्हें बराबर की भूमिका नहीं देंगे। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में औसतन 1० फीसदी महिला उम्मीदवार मैदान में हैं।

दुनिया के किसी लोकतंत्र में ऐसी हिप्पोक्रेसी देखने को नहीं मिलेगी कि नेता कहेंगे कुछ और करेंगे कुछ और। सबका ध्यान सिर्फ इस बात पर होता है कि चुनाव कैसे जीता जाए। सारी बुद्धि इसमें लगानी है कि क्या कहने से या क्या मुफ्त में देने से जनता वोट देगी। चुनाव जीत गए फिर तो जो मन में हो वह करेंगे। जनता भी वोट देने के बाद सब कुछ भूल कर अपने रोजमर्रा के संघर्षों में लग जाती है। जनता को याद भी नहीं रहता है कि किस पार्टी ने क्या वादा किया था। आखिर 2०14 का चुनाव नरेंद्र मोदी पेट्रोल, डीजल सस्ता करने, डॉलर सस्ता करने, काला धन वापस लाने, महिलाओं का सम्मान बहाल करने, महंगाई रोकने और भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर लड़े थे। लेकिन नौ वर्षों में इसका बिल्कुल उलटा हुआ है। पेट्रोल, डीजल के दाम दोगुने हो गए और डॉलर की कीमत भी डेढ़ गुनी हो गई। न काला धन वापस आया और न महंगाई घटी। लेकिन लोग उसे भूल गए और पांच किलो अनाज के लाभार्थी बन कर वोट देने लगे।

तेलंगाना में भाजपा ने लगाया जोर

भारतीय जनता पार्टी ने तेलंगाना में एक साल पहले बहुत बड़ा राजनीतिक अभियान शुरू किया था। लेकिन फिर उसने अपने कदम पीछे खींच लिए थे। कहा जाने लगा था कि भाजपा को फीडबैक मिली है कि अगर वह बहुत जोर लगा कर लड़ेगी तो उसका फायदा कांग्रेस को होगा। भाजपा नहीं चाहती है कि कांग्रेस जीते इसलिए उसने अपना राजनीतिक अभियान धीमा कर दिया ताकि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति और कांग्रेस में सीधा मुकाबला हो। लेकिन भाजपा ने इस चुनाव में पूरा जोर लगाया। कहा जा रहा है कि उसके पीछे हटने के बावजूद यह धारणा बनी कि अब कांग्रेस जीत रही है और बीआरएस लगातार पिछड़ती जा रही है। इसलिए भाजपा ने नई रणनीति के तहत अपना प्रचार अभियान तेज किया।

राजस्थान में प्रचार समाप्त होते ही भाजपा की पूरी टीम तेलंगाना पहुंच गई थी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी प्रचार में पहुंचे थे। भाजपा ने अपने घोषणापत्र में वो तमाम वादे किए हैं, जो कांग्रेस ने किए हैं। उसने भी दिल खोल कर मुफ्त में सेवाएं और वस्तुएं बांटने का ऐलान किया है। इसके अलावा दलित समुदाय में मडिगा वोट को लेकर भाजपा ने बड़ी पहल की है। कुछ दिन पहले अपनी सभी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मडिगा आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे कृष्णा मडिगा को मंच पर गले लगाया और अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण का वादा किया। अब बताया जा रहा है कि केंद्र सरकार ने इसके लिए कमेटी बनाने सहित कई तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी तरह तेलंगाना के मध्य वर्ग को आकर्षित करने के लिए अमित शाह ने वादा किया है कि सरकार बनी तो प्रवासी भारतीयों के लिए एक अलग मंत्रालय बनाएंगे। गौरतलब है कि राज्य के लगभग सभी मध्यवर्गीय परिवारों का कोई न कोई व्यक्ति विदेश में रहता है। उधर कांग्रेस की ओर रूझान दिखा रहे मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव खुल कर वादे कर रहे हैं। उन्होंने मुसलमानों के लिए आईटी पार्क बनाने की घोषणा की है। इस तरह भाजपा ने चुनाव को उलझाने का दांव चला है। (आरएनएस)

सर्दी में रोजाना एक संतरा खाने से शरीर को मिलते हैं ये गजब के फायदे

सर्दियों में दिन ऐसे भी छोटा होता है और ठंडी हवा के बीच खानपान का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी है। हेल्थ एक्सपर्ट से लेकर डॉक्टर के मुताबिक विंटर में सीजनल फल जरूर खाना चाहिए। सर्दियों में आपको हेल्थ संबंधी परेशानियों से बचना है और इम्युनिटी को मजबूत रखनाा है तो हर रोज एक संतरा खाना चाहिए। आज हम आपको बताएंगे कि हर रोज संतरा खाने के होते हैं ये गजब के फायदे।

संतरा में भरपूर मात्रा में होता विटामिन सी

संतरा में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है जो शरीर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। क्योंकि इसमें सभी तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह इम्युनिटी को भी मजबूत करने का काम करती है। साथ ही साथ सर्दी और फ्लू से बचाने में भी मदद करता है। फ्लेवोनोइड और कैरोटीनॉयड सहित विभिन्न प्रकार के एंटीऑक्सिडेंट होते हैं। शरीर में मुक्त कणों को बेअसर करने में मदद करती है। ऑक्सीडेटिव तनाव से सुरक्षा प्रदान करती है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर प्रोफाइल सेलुलर स्वास्थ्य में योगदान देता है और पुरानी बीमारियों को रोकने में दीर्घकालिक लाभ हो सकता।

रिपोर्ट के अनुसार, सर्दियों में संतरे रोजाना खाना चाहिए ताकि आप पूरे दिन शरीर हाइड्रेट रहेगा। क्योंकि इनमें पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर में इतम तरल स्तर को बनाए रखने में मदद करती है।

उनकी फाइबर सामग्री रक्त शर्करा के स्तर को विनियमित करने में भी सहायता करती है। जिससे वे मधुमेह वाले व्यक्तियों के लिए फायदेमंद बन जाते हैं।

क्या सर्दी के मौसम में ज्यादा संतरे खाने से कोई नुकसान होता है?

संतरा आमतौर पर स्वास्थ्यवर्धक होता है, लेकिन इसके अत्यधिक सेवन से फाइबर की मात्रा के कारण पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।। इसके अतिरिक्त, साइट्रस एलर्जी या किडनी की समस्याओं जैसी कुछ चिकित्सीय स्थितियों वाले व्यक्तियों को इसका सेवन कम करना चाहिए।

किन लोगों को संतरा नहीं खाना चाहिए?

जिन लोगों को किडनी और लिवर की बीमारी है उन्हें संतरा नहीं खाना चाहिए। क्योंकि संतरे में पोटेशियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है। साइट्रस एलर्जी वाले लोगों को हर रोज संतरा खाना चाहिए। हमेशा किसी स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर से परामर्श लें।

फिल्म टाइगर 3 ने वीकेंड पर फिर पकड़ी रफ्तार

सलमान खान की टाइगर 3 यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है, जिसे शुरुआत से दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है।फिल्म की रिलीज को सिनेमाघरों में 2 हफ्ते से अधिक हो गए हैं ।जहां पिछले कुछ दिनों से फिल्म की कमाई में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला तो वहीं वीकेंड पर टाइगर 3 की कमाई में उछाल आया है।अब फिल्म की कमाई के वें दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, टाइगर 3 ने अपनी रिलीज के 15वें दिन 6.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 271.०9 करोड़ रुपये हो गया है।फिल्म जल्द 3०० करोड़ रुपये का आंकड़ा भी पार कर लेगी।दुनियाभर में टाइगर 3 की कमाई 5०० करोड़ रुपये की ओर है। फिल्म ने अब तक 427 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।इसमें कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिलहाल टाइगर 3 की टिकट महज 15० रुपये में मिल रही है। हालांकि, यह ऑफर बस 27 नवंबर से 3० नवंबर तक सीमित है।इस खबर की जानकारी खुद यशराज फिल्म्स की ओर से दी गई है।उन्होंने टाइगर 3 का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, सोमवार 27 से गुरुवार 3० नवंबर, 2०23 तक हिंदी, तमिल और तेलुगु में टाइगर 3 महज 15० रुपये में देखें और जश्न मनाएं।इस फिल्म का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है।

शब्द सामर्थ्य -006

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

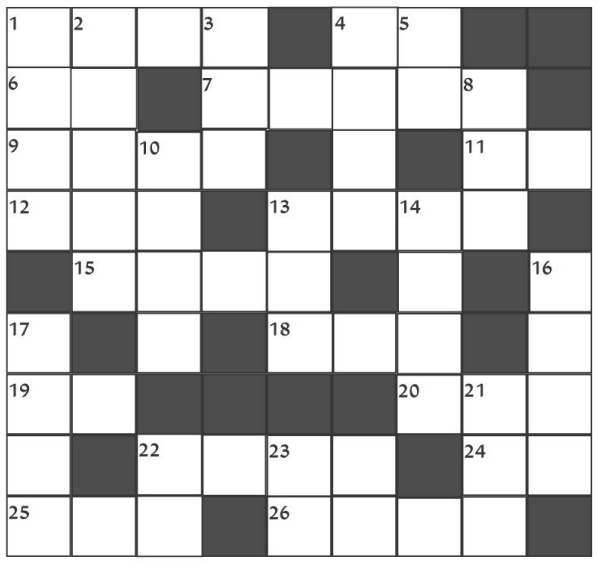

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 05 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

बोल्ड फोटोशूट में मौनी रॉय ने चलाया हुस्न का जादू

मौनी रॉय अपने किलर लुक्स की वजह से हर दिन फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच ही लेती हैं। एक्ट्रेस की अदाओं पर आज देशभर के लोग दीवाने रहते हैं। ऐसे में मौनी की झलक के लिए चाहने वाले बेताब हो जाते हैं। यही कारण है कि इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की लिस्ट भी काफी लंबी हो चुकी है। वहीं, मौनी भी अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए हर दिन एक नया लुक शेयर कर देती हैं। अब फिर से उन्होंने अपने ग्लैमरस लुक से इंटरनेट का पारा हाई किया है।

लेटेस्ट फोटोशूट के लिए एक्ट्रेस ने सिल्वर सीक्वेंस वाली शॉर्ट स्कर्ट और व्हाइट शर्ट कैरी की है। बोल्डनेस दिखाने के लिए मौनी ने शर्ट के बटन ओपन रखे हैं।

एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस ने यहां बालों की पोनीटेल बनाई हुई है। इस लुक में मौनी बेहद हॉट और अट्रैक्टिव दिख रही हैं।

अब मौनी के चाहने वालों के बीच उनका ये नया लुक भी बेहद पसंद किया जा रहा है। कुछ ही देर में उनकी तस्वीरों पर हजारों लाइक्स आ चुके हैं, जो तेजी से बढ़ते ही जा रहे हैं। फैंस ने मौनी की अदाओं पर प्यार लुटाते हुए खूब कमेंट्स किए हैं।

दूसरी ओर मौनी के वर्क फ्रंट की बात करें तो काफी समय से एक्ट्रेस द वर्जिन ट्री टाइटल से बन रही फिल्म को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस के साथ संजय दत्त और पलक तिवारी भी अहम रोल में दिखाई देंगे। इसके अलावा जल्द ही मौनी सुल्तान ऑफ दिल्ली टाइटल से बन रही वेब सीरीज में भी दिखेंगी। कुछ ही समय पहले उन्होंने अपनी इस सीरीज का ऐलान किया है।

बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद 12वीं फेल ने बनाया नया रिकॉर्ड

विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म 12वीं फेल बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचा रही है. फिल्म 27 अक्टूबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी और अब रिलीज के दिन बाद भी फिल्म अच्छी कमाई कर रही है. अब बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद 12वीं ने नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया है.

बता दें कि विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल को 96वें ऑस्कर्स अवॉर्ड्स के लिए भेजा गया है. विक्रांत मैसी की 12वीं फेल इस साल की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली बॉलीवुड फिल्म में से एक रही है. विधु विनोद चोपड़ा निर्देशित फिल्म से जुड़ी ये अच्छी खबर सामने आई है.

विक्रांत मैसी इस समय अपनी हालिया रिलीज 12वीं फेल को मिली शानदार रिस्पॉन्स का आनंद ले रहे हैं. विधु विनोद चोपड़ा निर्देशित ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही है. विक्रांत ने हाल ही में शेयर किया है कि फिल्म 12वीं फेल को आगामी अकादमी अवॉर्ड यानी 96वें ऑस्कर्स अवॉर्ड्स के लिए भेजा गया है.

विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल ने वर्ल्डवाइड 53 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. सिर्फ इंडिया में फिल्म ने 42. 6 करोड़ की शानदारी कमाई की है. फिल्म ने रिलीज होने के 4 हफ्ते के बाद भी अच्छा काम कर रही है. फिल्म को लेकर दर्शकों की दीवानगी भी देखने को मिल रही है.

पिछले महीने, ये बताया गया था कि विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल 2024 में ऑस्कर के लिए भेजने की तैयारी कर रहे है. एक इंटरव्यू में विक्रांत मैसी ने खुलासा किया कि फिल्म को ऑस्कर के लिए भेजा गया है.

एक्टर ने खुलासा किया कि उन्होंने अभिनय तब शुरू किया जब वह सिर्फ 15 साल के थे. बता दें कि विक्रांत ने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की और इसके बाद एक्टर ने फिल्मों में कदम रखा.

नानी की हाय नन्ना मूवी का ट्रेलर जारी

7 दिसंबर, 2023 को रिलीज होने वाली बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्म हाय नन्ना के साथ भावनाओं के उतार-चढ़ाव का अनुभव करें। नवोदित शौरयुव द्वारा निर्देशित, फिल्म में नानी, मृणाल ठाकुर और बेबी कियारा हैं।

हाल ही में अनावरण किया गया 2-मिनट, 41-सेकंड का नाटकीय ट्रेलर, नानी के चरित्र, नानी नाम के एक फोटोग्राफर, अपनी बेटी तारा की कहानी को उजागर करते हुए, पितृत्व की जटिल जटिलताओं को उजागर करता है। ट्रेलर उथल-पुथल भरे अतीत को दर्शाता है, जो दर्शकों को नानी की पत्नी के चले जाने के कारणों और तारा के असली माता-पिता के बारे में जानने के लिए उत्सुक कर देता है।

हेशाम अब्दुल वहाब के भावपूर्ण संगीत और जीवंत दृश्यों के साथ, ट्रेलर एक ब्लॉकबस्टर का वादा करता है जो प्यार, दर्द और गुस्से की पड़ताल करता है। कलाकारों में श्रुति हासन, प्रियदर्शी और जयराम भी हैं।

शाहरुख खान की दिवानी हैं उर्वशी ढोलकिया!

कसौटी जिंदगी की में अपने किरदार कोमोलिका से मशहूर एक्ट्रेस उर्वशी ढोलकिया शाहरुख खान की बहुत बड़ी फैन हैं। उन्होंने सुपरस्टार के साथ एक करीबी मुलाकात के किस्से को शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने झलक दिखला जा में शाहरुख खान के गाने पर परफॉर्म करने का फैसला क्यों किया।

इस वीकेंड सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो की थीम चार्टबस्टर का ब्लॉकबस्टर होगी।

सितारे क्लासिक ट्यून से लेकर लेटेस्ट चार्ट-टॉपर्स तक, बॉलीवुड गानों पर परफॉर्मे करेंगे। इस कड़ी में उर्वशी ने अपने कोरियोग्राफर वैभव घुगे के साथ फिल्म परदेस के आइकोनिक ट्रैक दो दिल मिल रहे हैं पर परफॉर्म किया।

1997 के रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा परदेस में शाहरुख और महिमा चौधरी मुख्य भूमिका में हैं।

उर्वशी ने अपने परफॉर्मेंस के बारे में बात करते हुए कहा, मैं हमेशा से शाहरुख खान की फैन रही हूं। शाहरुख से ज्यादा खूबसूरती से प्यार को कोई नहीं समझा

सकता। यह एक्ट पूरी तरह से प्यार के बारे में था और मेरे लिए, डांस एक ऐसी चीज है, जिसे मैं व्यक्त कर सकती हूं। बस, उन्हें देखो और तुम उनके दीवाने हो जाओगे। लोग उन्हें किंग ऑफ रोमांस कहते हैं, लेकिन मैं उन्हें किंग ऑफ लव कहती हूं।

उन्होंने आगे कहा, मुझे अच्छी तरह याद है कि मैंने उनकी क्रिकेट टीम के लिए एक ऐड किया था। वह बहुत मजेदार था। उन्होंने मुझे यह कहते हुए फोन किया कि हम चाहते हैं कि आप यह ऐड करें, और मैंने यह सोचकर कॉल काट दिया कि कोई मेरे साथ मजाक कर रहा है, क्योंकि मेरे आस-पास हर कोई जानता है कि मैं एक शाहरुख की कितनी बड़ी फैन हूं। मैं उनसे प्यार करती हूं। उन्होंने मुझे दोबारा फोन किया और कहा कि वह सीरियस हैं और मुझे डबिंग के लिए आने के लिए कहा। जब तक मैं सेट पर पहुंची, तो मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मैं उनके लिए विज्ञापन कर रही हूं। झलक दिखला जा सोनी पर प्रसारित होता है।

आयशा संग बनी आयुष शर्मा की जोड़ी, म्यूजिक वीडियो में मचाएंगे धमाल

बॉलीवुड अभिनेता आयुष शर्मा पिछले कुछ समय से अपनी आने वाली फिल्म रुस्लान को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं।यह फिल्म अगले साल 12 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।अब खबर है कि आयुष ने अपनी आगामी परियोजना के लिए नेहा शर्मा की बहन आयशा शर्मा के साथ हाथ मिलाया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह एक रोमांटिक म्यूजिक वीडियो होगा, जिसकी शूटिंग जल्द इटली में शुरू की जाएगी।

बेंचमार्क एंटरटेनमेंट के निर्माता सैंडिल डैंग ने कहा, आयुष और आयशा की जोड़ी जादुई है। वो दोनों कुछ अनोखा लेकर आएंगे। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह परियोजना एक बड़ी सफलता होगी।आयशा एक जानी-मानी अभिनेत्री और मॉडल हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 2018 में आई फिल्म सत्यमेव जयते के जरिए की थी।इसके अलावा वह कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं, जिसमें इक वारी, कुडि?ां लाहौर दियां और रंगरेज शामिल हैं। आयुष ने साल 2018 में आई फिल्म लवयात्री के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।इसके बाद आयुष अंतिम में नजर आए थे, जिसमें उनकी भिड़ंत सलमान खान के साथ हुई थी।आने वाले दिनों में आयुष रुस्लान में दिखाई देंगे, जिसका निर्देशन कात्यायन शिवपुरी ने किया है।फिल्म में जगपति बाबू और विद्या मालवदे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

दिसंबर के पहले सप्ताह आएगा ऋतिक रोशन की फाइटर का टीजर

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर साल भर से ज्यादा समय से चर्चा में है।निर्माताओं का दावा है कि फिल्म में ऐसे स्टंट देखने को मिलेंगे, जो बॉलीवुड फिल्मों में पहले कभी दिखाई नहीं दिए हैं।अब फिल्म के रिलीज में 2 महीने का वक्त बचा है। ऐसे में हर किसी को इसकी पहली झलक का इंतजार है।अब फिल्म के टीजर की रिलीज तारीख और इसके प्रचार की योजनाओं पर नई जानकारी सामने आई है।

खबर के अनुसार, फाइटर का टीजर दिसंबर के पहले सप्ताह में जारी किया जाएगा। इसके साथ ही इसके प्रचार अभियान की शुरुआत होगी, जो करीब 50 दिनों तक चलेगी।दर्शकों को दिखाई जाने वाली पहली झलक को ऋतिक और निर्देशक सिद्धार्थ आनंद खास बनाना चाहते हैं, जिसके लिए तैयारी जारी है।इसके बाद समय-समय पर अलग-अलग कंटेंट के माध्यम से इसके रिलीज होने तक फिल्म की खास झलकियां नजर आती रहेंगी।

फिल्म का प्रचार मुख्य रूप से इसके म्यूजिक एल्बम पर केंद्रित होगा।जानकारी के अनुसार, फिल्म में हर तरह के गाने होंगे। इनमें पार्टी सॉन्ग, रोमांटिक-भावुक गाने और देशभक्ति गाने भी शामिल हैं। इन गानों को एक-एक करके जारी किया जाएगा।दिसंबर और जनवरी में पडने् वाले त्यौहारों और पार्टी सीजन को ध्यान में रखते हुए इन गानों को जारी करने की योजना बनाई गई है। ऐसे में ये दर्शकों का ध्यान खींचने में जरूर सफल होंगी।

सिद्धार्थ आनंद अपनी फिल्मों में आकर्षक संगीत और ग्लैमर के लिए जाने जाते हैं। चाहे उनकी वॉर का घुंघरू और जय जय शिव शंकर हो या पठान का बेशरम रंग, उनकी फिल्मों के गानों ने हमेशा लोगों को झूमने पर मजबूर किया है।

सिद्धार्थ और ऋतिक इससे पहले बैंग बैंग और वॉर जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। दोनों ही फिल्में ग्लैमर और एक्शन से भरपूर थीं।यही वजह है कि दर्शकों के साथ फिल्म जानकारों को भी फाइटर से भव्यता की उम्मीद है।फिल्म की शूटिंग अक्टूबर में खत्म हुई थी और फिलहाल इसके एडिटिंग और साउंड एडिटिंग का काम चल रहा है।फिल्म का संगीत विशाल-शेखर की जोड़ी ने तैयार किया है।

फाइटर में पहली बार ऋतिक और दीपिका की जोड़ी नजर आएगी। फिल्म में ऋतिक और दीपिका के साथ अनिल कपूर भी नजर आएंगे। फिल्म 25 जनवरी, 2024 को रिलीज होगी।फिल्म वायुसेना की पृष्ठभूमि पर है। फाइटर को भारत की पहली एरियल एक्शन फिल्म बताया जा रहा है, जिसमें ऋतिक और दीपिका हवा में स्टंट करते नजर आएंगे।यह वीएफएक्स से भरपूर मनोरंजक फिल्म है। फिल्म के वीएफएक्स का काम ऑस्कर जीत चुकी वीएफएक्स कंपनी डीएनईजी को दिया गया है।

राजस्थान: या तो जांत या बालकनाथ!

श्रुति व्यास

एक शब्द में राजस्थान चुनाव 2023 का लबोलुआब है-'दिलचस्प', 'हैरानीभरा'। इसलिए क्योंकि जो पहले माना जा रहा था और जो पुराना ढर्रा था उस पर चुनाव नहीं हुआ है।

राजधानी जयपुर के कई पत्रकारों ने पहले से ही धारणाएं बनाई हुई थी। गुलाबी शहर के जवाहर कला केन्द्र की ऊंची दीवारों के बीच वे एक सपाट वाक्य बोलते थे- ''हर पांच साल में यहां बदलाव होता है अब की बार बीजेपी ही आएगी, इसलिए क्या कवर करना? इस बात में दम भी था। तभी दूर से देखने पर राजस्थान के चुनाव नीरस नजर आ रहे थे। आखिरकार 1998 से लेकर अब तक हर पांच साल में सरकार बदलना राजस्थान का रिवाज है। तो 2023 भला अलग क्यों होगा? खासकर तब जब भाजपा ने घिसेपिटे चेहरों को दरकिनार कर दिया है,बाबाओं और योगियों, सांसदों और राजपरिवारों के सदस्यों को दिल खोलकर टिकट दिए हैं, प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे को आगे रखा है और हिंदुत्व का माहौल बनाया है तो इस सब की रियलिटी में धारणा स्वभाविक ही है कि राजस्थान में भाजपा की जबरदस्त जीत होनी है।

पर क्या इतना आसान और एकतरफा चुनाव हुआ है? क्या रिकार्ड तोड मतदान भाजपा की आंधी का संकेत है? या जाति आधारित प्रतिस्पर्धा में हुई वोटिंग का सबूत है?भाजपा के पक्ष में तीन बातें निर्विवाद है। राजस्थान में नरेंद्र मोदी का करिश्मा गहरा पैंठा हुआ है। चाहे तो इसका संकेत शहरों में रिकार्ड तोड मतदान को माने। फिर भाजपा के कार्यकर्ता अधिक सक्रिय और वोट डालने की जिद्द में नजर आएं। तीसरी बात, कांग्रेस के मुकाबले भाजपा संगठन और उसका प्रचार तंत्र अधिक चुस्त और मजबूत दिखा।

बावजूद इसके देहात-कस्बों और जमीनी गणित और कैमेस्ट्री में इस बार के चुनाव की बातें, सरोकार और रंग-ढंग अलग थे। और हर 25-50 किलोमीटर पर माहौल बदला हुआ नजर आया। ऐसा माहौल जो पिछले चुनावों में नहीं देखा गया, जिसे भांपना बहुत दिलचस्प था और जो जाति और उससे जुड़े सरोकारों पर आधारित था। मुझे छतीसगढ़ और मध्यप्रदेश में घूमते हुए सीट वार वैसा संघर्ष नहीं दिखलाई दिया जैसा राजस्थान में दिखा। अपनी चुनावी यात्रा शुरू करने के पहले मैं जयपुर के एक प्रमुख वरिष्ठ पत्रकार से मिली। उनका कहना था कि मैं 1985 से चुनाव कवर कर रहा हूं लेकिन मैंने कभी चुनावी नैरेटिव पर जाति का इतना असर नहीं देखा। यही बात उदयपुर में मुझसे उस होटल में भी कही गई जहां में ठहरी थी।सलूंबर के हरिसिंह ने चुनावों के बारे में सिर्फ एक बात कही- इस बार तो सबकुछ जात पर है।और मैं भी मतदान के बाद यह बात मानते हुए हूँ।

जबकि पुराने जानकार कहते है राजस्थान के लोगों के लिए जाति कभी बड़ा मुद्दा नहीं रही है। आपकी जाति या गोत्र जानने में किसी की दिलचस्पी नहीं रहती थी। चुनाव पार्टी के झंडे, दोनों पार्टियों के कट्टर वोट बैंक और एटीं इनकंबेसी फेक्टर पर हुआ करते थे या पानी, बिजली, रोजगार जैसे मुद्दों पर होते थे। लेकिन अबकी बार अपनी यात्रा के दौरान जब मैं आम लोगों से टोह लेने के लिए उनसे जब भी बात शुरू करती थी तो वे मुझसे पहले जानना चाहते थे-आप कौनसी जात से हैं?। यह सवाल मुझसे धोद (सीकर) से लेकर नसीराबाद और वहां से लेकर बांसवाड़ा तक पूछा गया। जाट, गुर्जर, एससी, ओबीसी, ब्राम्हण, बनिया - सभी मुझसे बात करने के पहले मेरी जाति जानना चाहते थे। मुझे यह इतना अजीब लगता था कि मैं उत्तर न देने की कोशिश करती थी। परंतु अंतत- मुझे अपनी जाति बतानी ही पड़ती थी।

ऐसा 2018 में नहीं होता था और ना ही उसके पहले। इस बार राजस्थान के एक कोने से दूसरे कोने तक के अपने सफर के दौरान मुझे यह अहसास हुआ कि राजस्थान धीरे-धीरे उत्तरप्रदेश बनता जा रहा है। उम्मीदवार की जाति अब सबसे महत्वपूर्ण हो गई है।

हिन्दू बनाम मुस्लिम, हिन्दू राष्ट्र, हिन्दुत्व आदि की बातें केवल शहर वाले करते हैं। गांव-देहात में जाति ही सबसे अहम है। जाति की राजनीति ने राजस्थान के चुनाव को जटिल बना दिया है।ध्यान रहे जब भी जाति महत्वपूर्ण कारक बनती है तब चुनाव का गणित,केमिस्ट्री और मूड तीनों बदल जाते हैं।

फिर लोगों के नए 'सरोकार' भी दिखे। इन सरोकारों का पहले कभी कोई जिक्र नहीं होता था। मगर अब ये सरोकार चुनावी मुद्दा बन गए हैं। नसीराबाद में 80 साल के रतनलाल ने कहा,राजस्थान उत्तरप्रदेश बन रहा है। रतनलाल जाट हैं। उनके लिए उत्तरप्रदेश बन रहा है का मतलब है कि गुर्जरों की ताकत और प्रभाव बढ़ रहा है। रतनलाल के अनुसार जैसे उत्तरप्रदेश में यादव 'दादा' बन गए हैं उसी तरह राजस्थान में गुर्जर अपना वर्चस्व कायम करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं दौसा में एक गुर्जर ने मुझसे कहा,ये मीणा लोग आजकल बहुत हावी हो रहे हैं। राजसमंद के राजनगर में एक दुकानदार ने कहां, इन दिनों जाट बहुत हवा में उड़ रहे हैं।मतलब अपनी जाति तो मुद्दा है ही।दूसरी जातियों के बढ़ते वर्चस्व की चिंता भी सीकर के धोद से लेकर बांसवाड़ा के गढ़ी तक ओबीसी जातियों के बीच व्याप्त है और वह चुनाव में उतरे उम्मीदवारों पर फैसले में हावी है।

राजस्थान में गुर्जर, मीणा, राजपूत और जाट - ये चार प्रमुख समुदाय हैं जिनमें दबदबे को लेकर गहरा कंपीटिशन है। राज्य में कुल मतदाता कोई सवा पांच करोड है। इसमें एससी व एसटी का हिस्सा कोई 31 प्रतिशत है। वही मुस्लिम 9 प्रतिशत। फिर जाट व ब्रहाम्ण अधिक। मीणा कोई 8 प्रतिशत और गुर्जर पांच और राजपूत छह प्रतिशत बतलाए जाते है। इन सभी जातियों में उम्मीदवार की जाति की पहचान बड़ा फेक्टर है। इसके बाद हिंदू-मुस्लिम धुव्रीकरण से लोग प्रभावित दिखें, खासकर शहरी इलाकों में। इसी के चलते जयपुर और भीलवाड़ा के शहरी इलाकों के फारवर्ड लोग भी यादव बाबा बालकनाथ को बतौर मुख्यमंत्री पहली पसंद बतलाते मिले। कई लोगों ने कहा,उत्तरप्रदेश जैसा योगी राजस्थान में भी चाहिए।

इसलिए जाति और धर्म में चुनाव रंगा हुआ था। पानी, बिजली, सड? जैसे मसलों पर लोग बोलते हुए नहीं थे। कई जिलों में अब भी 'हर नल में जल' नहीं है मगर फिर भी बात लोग जाति की कर रहे हैं। आरएलपी (राष्ट्रीय लोकतान्त्रिक पार्टी) और बीटीपी (भारतीय ट्राइबल पार्टी) जैसी पार्टियों के चलते भी जाति का नैरेटिव और मजबूत हुआ है।इसलिए प्रदेश में चुनाव अब केवल कांग्रेस बनाम भाजपा का नहीं हैं बल्कि बसपा, आजाद समाज पार्टी और ढेर सारे निर्दलीय उम्मीदवारों से भी गणित और कैमेस्ट्री बिगडी हैं। मेवाड़ इलाके को लें। मेवाड़-वागड़ (उदयपुर संभाग) में 28 सीटें हैं। माना जाता है कि यहां जो जीतता है राज्य में उसी की सरकार बनती है। हालांकि सन् 2018 में यह भ्रम टूटा था। पर इस बार यहाँ चुनावी गणित गड़बड़ाई है। वजह है बागियों का चुनावी मैदान में होना।ऐसी 13 सीटें हैं जिन पर बागी उम्मीदवार उलटफेर कर सकते हैं।

इन सबके बीच में एक व्यक्ति करीब-करीब सभी लोगों के दिलो-दिमाग में अपनी जगह बतौर नेता बनाए हुए मिला। और वह है अशोक गहलोत। सभी धर्मों और जातियों के लोगों में गहलोत को लेकर पोजिटिव धारणा है। कह सकते है पांच साल के राज के बाद जो सत्ता-विरोधी लहर दिखनी थी वह नहीं दिखाई दी। जिस तरह शिवराज सिंह चौहान के बारे में कहा जा रहा है कि लाड़ली बहना योजना के कारण उन्हें जनसमर्थन मिला है (और कुछ लोग तो यहाँ तक कह रहे हैं कि वे भाजपा को चुनाव जिता ले जाएंगे), उसी तरह गहलोत की लोकलुभावन कल्याण योजनाएं उनकी मददगार हैं। गहलोत के लिए गुजरे साल आसान नहीं थे। भाजपा और मीडिया दोनों ने 'लाल डायरी'को मुद्दा बनाया था।उनकी सरकार में भ्रष्टाचार का हल्ला खूब हुआ। परंतु लोगों के लिए यह वैसे ही मुद्दा नहीं है जैसे छत्तीसगढ़ में महादेव एप का मुद्दा भाजपा और मीडिया द्वारा जमकर उछालने के बावजूद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की छवि बिगाड नहीं पाया।

अब बात सचिन पायलट की।यदिकांग्रेस वापस आई तो क्या सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनना चाहिए? 2018 में गुर्जर चाहते थे कि मुख्यमंत्री उनकी बिरादरी से हो।वे अब भी यही चाहते हैं। और यही वजह है कि दौसा और टोंक जैसे कुछ इलाकों में कांग्रेस के प्रति गुस्से के चलते इस जाति के लोग भाजपा के साथ जा सकते हैं। मगर अन्य जातियों में से कोई भी पायलट के मुख्यमंत्री बनने के समर्थन में नहीं दिखा। लोगों की राय यही थी कि कांग्रेस की सत्ता में वापिसी की स्थिति में अशोक गहलोत को फिर से मुख्यमंत्री बनना चाहिए।

दरअसल इस चुनाव में राजस्थान में हर समुदाय अपना विधायक, अपने मुख्यमंत्री की उधेडबुन में रहा है।तभी राजस्थान में यह चुनाव वैसा नहीं है जैसा पहले होते थे।मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की तुलना में राजस्थान के बारे में भविष्यवाणी करना ज्यादा जोखिमपूर्ण है। मैं न यह कहने की स्थिति में हूं कि भाजपा जीतेगी या गहलोत की वापसी होगी। राजस्थान की जनता के दिल-दिमाग में सिर्फ और सिर्फ जाति हावी है या बालकनाथ का नाम है। यदि इसी अनुसार वोट मतपेटियों में पड़े तो ३ दिसम्बर को नतीजे सचमुच चौंकाने वाले होंगे।

सू- दोकू क्र.005

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.005 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2	6	1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

करे कोई, भरे कोई

दुनिया के सबसे धनी एक प्रतिशत लोग उससे भी ज्यादा कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं, जितना सबसे गरीब 66 फीसदी लोग करते हैं। ये लोग एयरकंडीशंड माहौल में रहते हैं, जबकि उनकी करनी का फल गरीबों को भुगतना पड़ रहा है।

दुनिया जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणाम भुगत रही है। संयुक्त राष्ट्र यह ताजा चेतावनी है कि अभी जो रफ्तार है, उससे ही सब कुछ चलता रहा, तो इस सदी के अंत तक धरती का तापमान औद्योगिक युग शुरू होने के समय की तुलना में तीन डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका होगा। वैज्ञानिक दशकों से चेतावनी दे रहे हैं कि डेढ़ डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बढ़ोतरी का मतलब विनाश है। ऐसा होना शुरू हो चुका है। इसके बावजूद दुनिया में ना सिर्फ सब कुछ यथावत चल रहा है, बल्कि अब तो दिशा भी पलट रही है। कोरोना महामारी और यूक्रेन युद्ध के बाद बनी परिस्थितियों में यूरोपीय देशों में भी वैसी ऊर्जा का चलन बढने लगा है, जो पहले जलवायु की समस्या को लेकर अधिक संवेदनशील नजर आते थे। तो आखिर ऐसा कैसे और क्यों हो रहा है? हालांकि यह कोई नया तथ्य नहीं है, लेकिन एक ताजा अध्ययन रिपोर्ट ने इस पहलू को उजागर किया है। गैर-सरकारी संस्थाओं ऑक्सफेम और स्टॉकहोम इनवायरनमेंट इंस्टीट्यूट ने अपने अध्ययन से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि दुनिया के सबसे धनी एक प्रतिशत लोग उससे भी ज्यादा कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं, जितना सबसे गरीब 66 फीसदी लोग करते हैं।

इस अध्ययन में बताया गया है कि दुनिया के सात करोड़ 70 लाख लोग एक प्रतिशत अमीर की श्रेणी में आते हैं। इनमें

अरबपतियों और करोड़पतियों के अलावा वे लोग शामिल हैं, जिनकी सालाना आय एक लाख 40 हजार अमेरिकी डॉलर (साढ़े 11 करोड़) से ज्यादा है। यह रिपोर्ट 2019 के आंकड़ों के आधार पर तैयार की गई है। उसके मुताबिक कुल कार्बन उत्सर्जन में इस एक फीसदी आबादी का हिस्सा 16 प्रतिशत है। ये वो तबका है, तो असल में दुनिया पर राज कर रहा है- जो सारी नीतियों और निर्णयों को अपने मुताबिक ढलवाने में कामयाब रहता है। यह तबक अपनी जीवन शैली पर कोई समझौता नहीं करना चाहता। रिपोर्ट में इसे कार्बन इलीट कहा गया है, जो एयरकंडीशंड माहौल में रहते हुए जलवायु परिवर्तन के प्रत्यक्ष परिणामों से बचा रहता है। जबकि उसकी करनी का असर वे आम लोग रहे हैं, जिनका उत्सर्जन में योगदान बेहद कम है।(आरएनएस)

महानिदेशक एनसीसी ने किया ग्रुप मुख्यालय का भ्रमण

संवाददाता

देहरादून। एनसीसी महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीर पाल सिंह ने ग्रुप मुख्यालय का भ्रमण किया। आज लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीर पाल सिंह, अति विशिष्ट सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल, महानिदेशक एनसीसी, नई दिल्ली द्वारा एनसीसी निदेशालय उत्तराखंड, देहरादून भ्रमण के क्रम में 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की का भ्रमण किया गया। जहाँ उनका स्वागत मेजर जनरल अतुल रावत, अति विशिष्ट सेवा मेडल, एनसीसी निदेशालय उत्तराखंड, देहरादून ने किया। वाहिनी के कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर उक्त अतिथि के भ्रमण का शुभारंभ किया। अपर महानिदेशक द्वारा निदेशालय के कार्य प्रणाली के बारे में महानिदेशक महोदय को जानकारी दी गई जिसके उपरांत जनरल ऑफिसर द्वारा एनसीसी निदेशालय के उत्कृष्ट कार्यो की सहारना करते हुए इकाइयों से देश के लिए उच्चतम प्रशिक्षण सुनिश्चित करने का आवाहन किया गया। इस समारोह में जनरल ऑफिसर द्वारा एनसीसी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले केडिट्स, एसोसिएट एन सी सी ऑफिसर्स, प्रशिक्षण कर्मचारियो, सिविल स्टाफ को पदक, मैडल, प्लेग, प्रशंसा पत्र इत्यादि देकर सम्मानित किया गया।

दशाई थल में तीन दिवसीय लोहार गिरी प्रशिक्षण का हुआ समापन

संवाददाता

गंगोलीहाट। तीन दिवसीय लोहार गिरी के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन पर प्रमाण पत्र वितरित किये।

आज यहां परियोजना के तहत विकासखंड के यूनिट कार्यालय दसाई थल में आयोजित तीन दिवसीय लोहार गिरी प्रशिक्षण का समापन हो गया है। प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्राप्त करने का प्रमाण पत्र वितरित किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को लोहार गिरी के नए हुनर को सिखाया गया। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत जलागम परियोजना के द्वितीय यूनिट के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण यूनिट कार्यालय दसाई थल में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्घाटन जजूट की ग्राम प्रधान श्रीमती मंजू देवी द्वारा किया गया। समापन के अवसर पर यूनिट अधिकारी योगेंद्र चौधरी द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर कैलाश राम द्वारा आधुनिक तकनीकी से लोहार गिरी के कार्य किए जाने का प्रशिक्षण दिया गयाव उन्होंने बताया कि लोहार गिरी में कृषि यंत्रों के अलावा घरों में उपयोग किए जाने वाले लोहे के विभिन्न प्रकार के वर्तन बनाकर हम अपनी आजीविका को आगे बढ़ा सकते है। इस अवसर पर सोसायटी फॉर एक्सन इन हिमालया पिथौरागढ़ के प्रतिशक कुंदन सिंह बोरा तथा दीपक बोरा द्वारा सामुदायिक आधार पर आजीविका को बढ़ाने लक्ष्य के बारे में जानकारी दी गई। सामाजिक विशेषज्ञ पुष्पा पांडे तथा कृषि विशेषज्ञ गोविंद सिंह लटवाल द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। इस अवर अभियंता निर्मल चंद पुनेठा सहित दर्जनों प्रतिभागी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों का अस्पताल में हंगामा...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

था और उनसे पूछताछ भी की गई थी लेकिन पुलिस या जिला अस्पताल प्रशासन इस बारे में कुछ भी जानकारी नहीं दे रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में क्या है या पूछताछ में क्या कुछ पता चला है इसकी जानकारी न मिलने से लोगों में भारी नाराजगी है। स्थानीय नागरिक पुष्पा चौहान का कहना है कि अमृता की हत्या की गई है और पुलिस तथा अस्पताल द्वारा सत्य छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। मौके पर गंगोत्री विधायक भी पहुंच गए हैं लेकिन ग्रामीण किसी की बात मानने को तैयार नहीं है उनका साफ कहना है कि जब तक पूरी जानकारी नहीं दी जाएगी तब तक शव को संस्कार नहीं करेंगे। समाचार लिखे जाने तक अस्पताल में हंगामा जारी था।

इन्वेस्टर्स समिट की तैयारी तेज

सीएम धामी पीएम व केंद्रीय नेताओं को न्योता देने पहुंचे दिल्ली

विशेष संवाददाता

देहरादून। सिलक्यारा सुरंग हादसे के रेस्क्यू अभियान के सफल समापन के बाद अब सूबे का शासन-प्रशासन 8-9 दिसंबर को राजधानी दून में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों में जुट गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज दिल्ली दौरे पर है जहां वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह तथा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर उन्हें समिट में शामिल होने का निमंत्रण पत्र देंगे। मुख्यमंत्री धामी चाहते हैं कि इस अवसर पर अगर पीएम मोदी मौजूद होंगे तो इससे निवेशकों का मनोबल बढ़ेगा।

राज्य में होने वाले इस इन्वेस्टर्स समिट के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री धामी ने महीनो पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। लंदन से लेकर दुबई तक उन्होंने रोड शो किए वहीं देश के तमाम बड़े शहरों में रोड शो और उद्यमियों के साथ बैठक कर उन्हें यह समझाने का प्रयास किया कि उन्हें उत्तराखंड में निवेश करने के क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

❑राजधानी के प्रमुख मार्गो की हो रही है रंगाई-पुताई

अपने प्रयासों में मुख्यमंत्री धामी काफी हद तक सफल भी रहे हैं। उन्होंने इस समिट के जरिए 2.5 लाख करोड़ का निवेश आने का लक्ष्य रखा था जिसमें से वह 2 लाख निवेश के एमओयू पर अब तक साइन कर चुके हैं। तथा समिट से पहले ही कुछ उद्योगों को धरातल पर उतरने की तैयारी कर चुके हैं।

इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देश-विदेश से बड़ी संख्या में उद्यमियों के जुटने की उम्मीद है। समिट का आयोजन 8-9 दिसंबर को एफआरआई में किया जाना है। जिसके लिए राजधानी दून की 15 प्रमुख सड़कों को विशेष रूप से तैयार किया गया है। जिससे आने वाले मेहमानों को प्रदेश की सभ्यता और संस्कृति की झलक देखने को मिल सके। इसके लिए रंगाई पुताई का काम जोर शोर से चल रहा है। मुख्यमंत्री धामी इस समिट में प्रधानमंत्री और कई केंद्रीय नेताओं की उपस्थिति सुनिश्चित कर लेना चाहते हैं जिनके प्रयास में वह आज दिल्ली गए हैं। बताया जा रहा है कि गृहमंत्री अमित शाह दिल्ली से बाहर है जबकि पीएम दिल्ली में है। पीएम से मिलकर वह सिलक्यारा के सफल ऑपरेशन की जानकारी भी देंगे। इस समिट से धामी को उम्मीद है कि प्रदेश में विकास व रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

कार में आग लगाने पर दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। घर के बाहर खडी कार में आग लगाने पर दो लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजीव कालोनी गोविन्द गढ निवासी मुकेश सिंह ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी ग्रेड आई-10 कार घर के सामने गेट पर खडी थी जिसको राजकुमार चौहान व रामचन्द्र साहनी द्वारा साजिश के तहत रात्रि में आग लगा दी जिससे कार पूरी तरह से जल गयी है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवती घायल

देहरादून (सं)। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवती के घायल हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेस्ट कैम्प निवासी ईनाम मलिक ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी अलिना मलिक अपनी स्कूटी से घर की तरफ आ रही थी जब वह रेसकोर्स एसबीआई बैंक के सामने पहुंची तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी।

तमंचे से फायर झौंकने वाला आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जान से मारने की नियत से तमंचे फायर करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त तमंचा व कारतूस भी बरामद कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती 19 अक्टूबर को हर्ष चौधरी पुत्र सुनील कुमार निवासी टिहरी विस्थापित कॉलोनी कोतवाली रानीपुर जनपद हरिद्वार द्वारा कोतवाली ज्वालापुर में तहरीर देकर बताया गया था कि विश्व चौहान व उसके साथियों द्वारा उसको जान से मारने की नियत से फायर किया गया है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीमों द्वारा उनकी काफी खोजबीन की गयी लेकिन आरोपी इतने शातिर थे कि वह अपन ठिकाना लगातार बदल रहे थे।

आरोपी की गिरफ्तारी हेतु लगातार किए जा रहे प्रयास के फलस्वरूप पुलिस टीम द्वारा देर रात मुकदमे के मुख्य आरोपी विशू चौहान उर्फ काली पुत्र सतीश निवासी नूरपुर पंजनहेड़ी थाना कनखल जनपद हरिद्वार को नाजायज देशी तमंचा व जिंदा कारतूस के साथ पंजनहेड़ी अड्डे से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

ट्रक में घुसी बस, चालक की मौत तीन यात्री घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ट्रक चालक द्वारा अचानक ब्रेक मारे जाने पर पीछे आ रही बस सीधे ट्रक में जा घुसी। हादसे में बस चालक की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक चालक के शव को कब्जे में लेकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार हादसा रुड़की के नगला इमरती के पास हुआ है। यहां सहारनपुर के छुटमलपुर डिपो की बस यात्रियों को लेकर हरिद्वार जा रही थी। बताया जा रहा है कि जैसे ही बस रुड़की के नगला इमरती के पास पहुंची तो आगे चल रहे ट्रक के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। जिससे रोडवेज बस ट्रक के पीछे जा घुसी जिससे मौके पर ही बस चालक की मौत हो गई और बस में सवार तीन से चार यात्री घायल हो गए। सवारियों की चीख पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। जिन्होंने हादसे की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस में शव का पंचनामा पोस्टमार्टम के लिए रुड़की सिविल अस्पताल भेज दिया जबकि घायलों का उपचार कराया। मृतक की पहचान बस चालक मोकम सिंह निवासी किशनपुर जिला सहारनपुर के रूप में हुई है। जबकि घायलों के नाम यात्री नरेंद्र, पंकज और अनिल बताए जा रहे है।

एक नजर

पारादीप बंदरगाह पर जहाज से 220 करोड़ रुपये की कोकीन बरामद

नई दिल्ली। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले के पारादीप बंदरगाह पर एक जहाज से 220 करोड़ रुपए की कोकीन जब्त की गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पारादीप इंटरनेशनल कार्गो टर्मिनल (पीआईसीटी) पर खड़े जहाज की एक क्रेन में गुरुवार रात 22 संदिग्ध पैकेट देखे गए। अधिकारियों ने बताया कि क्रेन ऑपरेटर को जब यह मिला तो उसने इसके विस्फोटक होने का संदेह जताते हुए अधिकारियों को सूचित किया।

उन्होंने बताया कि जांच के बाद इसके कोकीन होने की पुष्टि हुई। सीमा शुल्क आयुक्तालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने खुफिया जानकारी के आधार पर आधी रात के आसपास जहाज की तलाशी ली और कोकीन के पैकेट मिले। अधिकारियों ने बताया कि पनामा में पंजीकृत एमवी डेबी नामक मालवाहक जहाज ने मिस्र से अपनी यात्रा शुरू की और इंडोनेशिया के ग्रेसिक बंदरगाह से होते हुए यहां पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि जहाज को यहां से स्टील प्लेट लेकर डेनमार्क रवाना होना था। राज्य के सीमा शुल्क आयुक्त माधब चंद्र मिश्रा ने बताया कि जहाज पर एक क्रेन से 22 पैकेट बरामद किए गए। एक विशेष किट से जांच के बाद उसके कोकीन होने की पुष्टि हुई। जब्त सामग्री की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 200 से 220 करोड़ रुपए के बीच आंकी गई है।

सरकारी डॉक्टर से घूस लेने के आरोप में ईडी अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। तमिलनाडु पुलिस ने प्रवर्तन निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी अंकित तिवारी को घूस लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। मदुरई हाईवे पर डिंडीगुल हाईवे पर 8 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद तमिलनाडु पुलिस ने अंकित तिवारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए जाने के बाद अंकित तिवारी

को 15 दिसंबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इसके साथ ही प्रदेश के सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोध क निदेशालय के अधिकारियों ने मदुरै स्थित ईडी के उप-विभागीय कार्यालय में छापेमारी की और अंकित तिवारी के घर पर भी छापेमारी की। अंकित तिवारी 2016 बैच के अधिकारी हैं, उन्होंने इससे पहले गुजरात और मध्य प्रदेश में अपनी सेवाएं दी हैं। फिलहाल वह मदुरै में तैनात थे। उनपर आरोप है कि उन्होंने डिंडीगुल के सरकारी डॉक्टर से 20 लाख रुपए की घूस ली थी। पुलिस ने ईडी के अधिकारी को रंगे हाथ 20 लाख रुपए लेते हुए गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि ईडी अधिकारी अंकित तिवारी को जब रोका गया तो वह महाराष्ट्र रजिस्ट्रेशन नंबर की कार से 20 लाख रुपए लेकर वहां से भागने लगे। इस दौरान उनका पीछा गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल एक दिन में ही पहुंची100 करोड़ के पार!

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर ने एक बार फिर ये साबित कर दिया कि एक्टिंग के मामले में उन्हें कोई टक्कर नहीं दे सकता। जी हां, अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म बर्फी के बाद अब एनिमल ही ऐसी फिल्म है जो ताबड़तोड़ कलेक्शन की ओर बढ़ रही है। फिल्म ने अपने ओपनिंग डे पर ही इतिहास रच दिया है। सलमान खान की टाइगर 3 से

लेकर एनिमल ने शाहरुख खान की पठान का रिकॉर्ड भी तोड़ डाला है। संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनीं एनिमल से लोगों को जितनी उम्मीदें थीं ये फिल्म उससे कहीं ज्यादा आगे निकली। ऐसा हम नहीं बल्कि रिपोर्ट्स का कहना है। टी सीरीज की ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने अबतक 116 करोड़ रुपए का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है। यही नहीं, इंडिया में एनिमल ने अबतक कुल 63 करोड़ की कमाई कर ली है। इसी के साथ फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा बड़े ही आसानी से पार कर लिया है। अब लोगों का कहना है कि अगर एनिमल ने नॉन हॉलीडे पर इतना बिजनेस कर लिया है तो वीकेंड पर क्या कमाल दिखाएगी। इसी के साथ ये फिल्म अब नॉन हॉलीडे पर वर्ल्डवाइड इतनी कमाई करने वाली पहली फिल्म बन गई है। बता दें कि ट्रेलर लॉन्च के बाद से ही फिल्म को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर थी। फिल्म में रणबीर कपूर की एक्टिंग के अलावा रश्मिका मंदाना के साथ उनकी कैमिस्ट्री के भी खूब चर्चे हो रहे हैं।

सैक्स रैकेट का खुलासा, संचालिका सहित 3 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। सैक्स रैकेट का खुलासा करते हुए एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम द्वारा एक घर में छापेमारी कर सैक्स रैकेट की संचालिका सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री व हजारोंकी नगदी बरामद की गयी है। टीम द्वारा मौके से तीन महिलाओं को भी रेस्क्यू किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को सूचना मिली की थाना ट्रांजिट कैंप क्षेत्रांतर्गत फुलसुंगा में एक महिला द्वारा अपने घर में कई गरीब व बेसहारा महिलाओं को रखकर उन्हें पैसों का लालच देकर वेश्यावृत्ति की जा रही है जहाँ आए दिन लोगों की भीड़ लगी रहती है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम द्वारा स्थानीय जनता व ट्रांजिट कैंप थाना पुलिस के साथ संयुक्त रूप से उक्त महिला के घर पर छापेमारी की गयी तो मौके पर महिला (संचालिका)

❑तीन महिलाओं का किया रैस्क्यू, नगदी व आपत्तिजनक सामग्री बरामद

सहित चार महिलाए व दो पुरूष अनैतिक कार्य करते मिले। टीम को मौके पर काफी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री व 3 हजार 500 रूपये की नगदी बरामद हुई। पूछताछ पर संचालिका द्वारा बताया गया कि उसके द्वारा एक चारपहिया वाहन खरीदा गया जिसकी किस्त वह जमा नहीं कर पा रही है और अपना नया घर बनाने के लिये उसके द्वारा अपने घर पर ही गरीब और बेसहारा महिलाओं को रखकर उनसे वैश्यावृत्ति करायी जाती है। जिसमें से कुछ ही पैसे वह महिलाओं को देती है बाकी स्वयं रखकर अच्छे पैसे कमा कर वाहन की किस्त जमा कर लेती है। ग्राहकों को लाने का काम (संजय और गोवर्धन) करते है, जिनको कस्टमर के हिसाब से वह पैसे देती है। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम द्वारा गिरफ्तार किये गये संचालिका सहित तीन लोगों के खिलाफ थाना ट्रांजिट कैम्प में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

इयूटी पर लापरवाही बरतने पर दरोगा सहित चार लाईन हाजिर

संवाददाता

देहरादून। डयूटी पर लापरवाही बरतने पर एसएसपी ने दरोगा सहित चार लोगों को लाईन हाजिर कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज वीआईपी डयूटी में नियुक्त सीपीयू दरोगा मदन सिंह नेगी, हैडकांस्टेबल प्रीतम, पुलिस कार्यालय में तैनात भगत सिंह व यातायात में तैनात महिला कांस्टेबल मौसम के द्वारा वीआईपी मूवमेंट के दौरान नेहरू कालोनी तिराहे पर डयूटी के दौरान लापरवाही बरतने पर एसएसपी अजय सिंह के द्वारा तत्काल प्रभाव से लाईन हाजिर किया गया।

चोरी की बाइक सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरी मामले में कार्यवाही करते हुए पुलिस ने एक शातिर को चुरायी गयी बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज बाबूराम पुत्र बलवंत सिंह निवासी ग्राम शाहपुर द्वारा थाना भगवानपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी बाइक किसी अज्ञात चोर द्वारा चुरा ली गयी है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। चोर की तलाश में जुटी पुलिस को बीती शाम सूचना मिली कि उक्त चोरी में शामिल चोर सिकरौड़ा पुल के समीप आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर एक व्यक्ति को चुरायी गयी बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम रहमान पुत्र मुनफेद निवासी कस्बा भगवानपुर निकट जुम्मा मस्जिद थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

काबुल हाउस पर चला बुल्डोजर

हमारे संवाददाता

देहरादून। ईसी रोड स्थित काबुल हाउस (शत्रु सम्पत्ति) को आखिरकार प्रशासन द्वारा ढहा दिया गया है। जिला प्रशासन की टीम द्वारा आज सुबह दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर बुल्डोजर के माध्यम से यह कार्यवाही की गयी है।

विदित हो कि जिलाधिकारी डा. सोनिका द्वारा दिये गये आदेश के बाद प्रशासन द्वारा दो नवम्बर को ईसी रोड स्थित काबूल हाउस पहुंच कर यहां रहने वाले 16 परिवारों को इसे खाली करने को कहा गया था। जिनमें से कुछ लोगों द्वारा हल्के फुल्के विरोध के बाद काबूल हाउस को खाली कर दिया गया था। हालांकि आठ अवैध कब्जेदार काबुल हाउस खाली कराने के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट गये थे। जिस पर न्यायालय ने उन्हे फौरी तौर पर राहत देते हुए उन्हे खाली करने के लिए एक माह की मोहलत दी गयी थी। समय पूरा होने से पहले ही सभी परिवार वहां से कब्जा छोड़कर चले गये थे। इसके चलते आज सुबह प्रशासन की टीमों द्वारा दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर काबुल हाउस को तोड़े जाने की कार्यवाही शुरू कर दी गयी है, जो समाचार लिखे जाने तक जारी थी।

डम्पर के टायर चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने डम्पर के टायर चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दून एन्क्लेव निवासी योगेश कुमार ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपना डम्पर फतेहपुर धर्मावाला में खडा किया था। आज जब वह वहां पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसके डम्पर सारे टायर गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।